593

MASA-03

December - Examination 2017

M. A. (Previous) Sanskrit Examination

भारतीय दर्शन

Paper - MASA-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – अ **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) अद्वैत वेदान्त के मूलग्रन्थ तथा उसके रचयिता का नाम बताइये।

(ii) सांख्य दर्शन के अनुसार कुल कितने तत्त्व हैं?

(iii) नास्तिक दर्शन में 'नास्तिक' शब्द का अर्थ बताइए।

(iv) प्रमाण का लक्षण बताइए।

(v) न्याय दर्शन के प्रणेता कौन हैं?

(vi) परिणामवाद का प्रसिद्ध उदाहरण बताइए।

(vii) परमार्थसार के लेखक का नाम बताइए।

(viii) त्रिविध मल कौन से हैं? (परमार्थसार)

खण्ड – ब $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) सांख्य के अनुसार पुरुषबहुत्व की सिद्धि कीजिए।

3) वेदान्त के अनुसार अनुबन्ध चतुष्ट्य के बारे में बताइये।

4) हेत्वाभास के बारे में बताइये।

5) वेदान्त के अनुसार विवर्तवाद को समझाइये।

6) त्रिविध कारण कौन से हैं?

7) शैव दर्शन के अनुसार जीवन्मुक्त का स्वरूप व आचरण क्या है?

8) चार्वाक दर्शन के अनुसार अनुमान के खण्डन हेतु तर्क दीजिए।

9) शैव दर्शन के अनुसार जगद्विकास की प्रक्रिया समझाइये।

खण्ड – स $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्ही **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में सीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) नास्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय दीजिए।

11) सत्कार्यवाद क्या है? परिणामवाद को विस्तार से समझाइये।

12) शैव दर्शन के अनुसार बन्धन व मोक्ष को समझाइये।

13) अध्यारोप व अपवाद क्या है? समझाइये।